पु.ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

**Std-VIII Subject-Hindi**
**Summative Assessment Assignment-1 (2021-22)**

## (अपठित-विभाग)

**प्रश्न-1 अपठित गदयांश और पदयांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) यदि मनुष्य और पशु के बीच कोई अंतर है तो केवल इतना कि मनुष्य के भीतर विवेक है और पशु विवेकहीन है। इसी विवेक के कारण मनुष्य को यह बोध रहता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी विवेक के कारण मनुष्य यह समझ पाता है कि केवल खाने-पीने और सोने में ही जीवन का अर्थ और इति नहीं। केवल अपना पेट भरने से ही जगत के सभी कार्य संपन्न नहीं हो जाते और यदि मनुष्य का जन्म मिला है तो केवल इसी चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं कि इस जगत ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि यदि इस जगत ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह इस संसार के भले के लिए कार्य क्यों करे। मानवता का बोध कराने वाले इस गुण 'विवेक' की जननी का नाम 'शिक्षा' है। शिक्षा जिससे अनेक रूप समय के परिवर्तन के साथ इस जगत में बदलते रहते हैं, वह जहाँ कहीं भी विद्यमान रही है सदैव अपना कार्य करती रही है। यह शिक्षा ही है जिसकी धुरी पर यह संसार चलायमान है। विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है। शिक्षा हमारे भीतर विद्यमान वह तत्त्व है जिसके बल पर हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, अपने मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करते हैं, उलझनों को सुलझनों में बदलते हैं। असल में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही 'शिक्षा' कहते हैं। शिक्षा उन तथ्यों का तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने खोजा था-सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने लिए। आज यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते हैं तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है। यह केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

**प्रश्न**

(1) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(2) मनुष्य और पशु में क्या अन्तर है?
(3) विवेक से किसका बोध होता है तथा उसका जन्म कैसे होता है?
(4) 'विज्ञान' शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(5) सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को क्या कहते है ?
(6) "जननी "शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए |
(7) हमे सुखी जीवन बिताने के लिए क्या करना होगा ?
(8) विवेक से लेकर ________ और ________ की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है।
(9) विवेक की जननी का नाम क्या हैं ?
(10) "जगत " शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए |

**उत्तर:**

(1) गद्यांश की उचित शीर्षक है-'शिक्षा और विवेक'।
(2) मनुष्य विवेकशील प्राणी है। विवेक के कारण वह उचित और अनुचित में अन्तर करके उचित को अपनाने तथा अनुचित को त्यागने में समर्थ होता है। पशु में विवेक नहीं होता और वह उचित-अनुचित का विचार नहीं

कर सकता।

(3) विवेक से मानवता का बोध होता है। जिसमें विवेक है वही मनुष्य कहलाता है। मनुष्य अपने जीवन में जो शिक्षा ग्रहण करता है, उसी के कारण उसमें विवेक का गुण उत्पन्न होता है।

(4) वि = उपसर्ग, ज्ञान = मूल शब्द ।

(5) सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही 'शिक्षा' कहते हैं।

(6) "माता ", " माँ "

(7) यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते हैं तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है।

(8) विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है।

(9) 'विवेक' की जननी का नाम 'शिक्षा' है।

(10) " संसार ", जगत "

2) हर किसी मनुष्य को अपने राष्ट्र के प्रति गौरव, स्वाभिमान होना आवश्यक है। राष्ट्र से जुड़े समस्त राष्ट्र प्रतीकों के प्रति भी हमें स्वाभिमान होना चाहिए। राष्ट्र प्रतीकों का यदि कोई अपमान करता है, तो उसका पुरजोर विरोध करना चाहिए। प्रत्येक राष्ट्राभिमानी व्यक्ति के हृदय में अपने देश, अपने देश की संस्कृति तथा अपने देश की भाषा के प्रति प्रेम होना स्वाभाविक भावना ही है। राष्ट्र के प्रति हर राष्ट्रवासी को राष्ट्र हित में अपने प्राणों का उत्सर्ग करने को तैयार रहना चाहिए। जिस देश के निवासियों के हृदय में यह उत्सर्ग भावना नहीं होती है, वह राष्ट्र शीघ्र ही पराधीन होकर अपनी सुख, शांति और समृद्धि को सदा के लिए खो बैठता है। देशभक्ति एवं सार्वजनिक हित के बिना राष्ट्रीय महत्ता का अस्तित्व ही नहीं रह सकता है। जिसके हृदय में राष्ट्रभक्ति है उसके हृदय में मातृभक्ति, पितृभक्ति, गुरुभक्ति, परिवार, समाज व सार्वजनिक हित की बात स्वतः ही आ जाती है।इन उपर्युक्त भावनाओं से वह आत्मबली होकर अन्याय, अत्याचार व अमानवीयता से लड़ने को तत्पर हो जाता है। वह एक सच्चे मानव धर्म का अनुयायी होकर धर्म एवं न्याय के पक्ष में खड़ा होता है। अतः राष्ट्र-धर्म एवं राष्ट्र-भक्ति ही सर्वोपरि है। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो स्वयं के प्रति, ईश्वर के प्रति एवं राष्ट्र के प्रति अनुत्तरदायी ही होंगे। किसी को हानि पहुँचाकर स्वयं के लिए अनुचित लाभ उठाना अन्याय है। अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य से विमुख न होना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।

**प्रश्न**

(1) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(2) राष्ट्राभिमानी व्यक्ति के हृदय में क्या स्वाभाविक भावना होती है?

(3) देश के निवासियों में उत्सर्ग भावना नहीं होगी तो क्या हानि होगी?

(4) आत्मबली व्यक्ति किनसे लड़ता है व किनके पक्ष में खड़ा होता है?

(5) " सुख " तथा " शांति " शब्द का विलोम शब्द लिखिए |

(6) किसके बिना राष्ट्रीय महत्ता का अस्तित्व नहीं रह सकता ?

(7) अन्याय क्या है ?

(8) सच्ची राष्ट्रभक्ति क्या है ?

(9) " अमानवीयता " शब्द में प्रत्यय बताईए |

(10)" स्वाभिमान" शब्द के दो समान शब्द लिखिए |

**उत्तर:**

(1) गद्यांश को उचित शीर्षक-'राष्ट्र के प्रति दायित्व'।

(2) राष्ट्राभिमानी व्यक्ति के हृदय में अपने देश, अपने देश की संस्कृति और अपने देश की भाषा के प्रति प्रेम की स्वाभाविक भावना होती है।

(3) यदि देशवासियों के हृदय में राष्ट्र के लिए उत्सर्ग की भावना नहीं होगी तो वह राष्ट्र शीघ्र ही पराधीन हो जाएगा और उसकी सुख, शांति और समृद्धि सदा के लिए नष्ट हो जाएगी।

(4) आत्मबली व्यक्ति अन्याय, अत्याचार और अमानवीयता से लड़ता है और धर्म एवं न्याय के पक्ष में खड़ा होता है।

(5) “दुख “, “ अशांति “
(6) देशभक्ति एवं सार्वजनिक हित के बिना राष्ट्रीय महत्ता का अस्तित्व ही नहीं रह सकता है।
(7) किसी को हानि पहुँचाकर स्वयं के लिए अनुचित लाभ उठाना अन्याय है।
(8) अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य से विमुख न होना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।
(9) “ ता “ शब्द प्रत्यय है |
(10) “ आत्मगौरव “, “आत्मसन्मान “|

3) महानगरों में भीड़ होती है, समाज या लोग नहीं बसते । भीड़ उसे कहते हैं जहाँ लोगों का जमघट होता है। लोग तो होते हैं लेकिन उनकी छाती में हृदय नहीं होता; सिर होते हैं, लेकिन उनमें बुद्धि या विचार नहीं होता। हाथ होते हैं, लेकिन उन हाथों में पत्थर होते हैं, विध्वंस के लिए, वे हाथ निर्माण के लिए नहीं होते। यह भीड़ एक अंधी गली से दूसरी गली की ओर जाती है, क्योंकि भीड़ में होने वाले लोगों का आपस में कोई रिश्ता नहीं होता। वे एक-दूसरे के कुछ भी नहीं लगते। सारे अनजान लोग इकट्ठा होकर विध्वंस करने में एक-दूसरे का साथ देते हैं, क्योंकि जिन इमारतों, बसों या रेलों में ये तोड़-फोड़ के काम करते हैं, वे उनकी नहीं होतीं और न ही उनमें सफर करनेवाले उनके अपने होते हैं। महानगरों में लोग एक ही. बिल्डिंग में पड़ोसी के तौर पर रहते हैं, लेकिन यह पड़ोस भी संबंधरहित होता है। पुराने जमाने में दही जमाने के लिए जामन माँगने पड़ोस में लोग जाते थे, अब हर फ्लैट में फ्रिज है, इसलिए जामन माँगने जाने की भी जरूरत नहीं रही। सारा पड़ोस, सारे संबंध इस फ्रिज में ‘फ्रीज’ रहते हैं।

**प्रश्न**

(1) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
(2) ‘महानगरों में भीड़ होती है, समाज या लोग नहीं बसते’-इस वाक्य का आशय क्या है?
(3) विध्वंस’ का विलोम लिखिए।
(4) सारे संबंध इस फ्रिज में ‘फ्रीज’ रहते हैं-ऐसा क्यों कहा जाता है?
(5) अब हर घर में क्या है ?

**उत्तर:**

(1) गद्यांश का उचित शीर्षक-‘महानगरों की असामाजिक संस्कृति।’
(2) महानगरों में विशाल संख्या में लोग निवास करते हैं उनमें पारस्परिक सामाजिक संबंध नहीं होते हैं। वे एक-दूसरे को जानते नहीं, आपस में मिलते-जुलते भी नहीं हैं। पास रहने पर भी वे एक दूसरे के पड़ोसी नहीं होते।
(3) विध्वंस का विलोम निर्माण है।
(4) फ्रिज खाद्य पदार्थों को ठंडा रखने के लिए प्रयोग होने वाला एक यंत्र है। आधुनिक समाज में परस्पर संबंधों में गर्माहट नहीं रही है। लोग एक ही बिल्डिंग में रहते हैं परन्तु पड़ोसी से उनके सम्बन्ध ही नहीं होते वे एक-दूसरे को जानते तक नहीं हैं।
(5) अब हर फ्लैट में फ्रिज है, इसलिए जामन माँगने जाने की भी जरूरत नहीं रही।

## अपठित पदयांश

1) क्या करोगे अब ?
समय का
जब प्यार नहीं रहा
सर्वसहा पृथ्वी का
आधार नहीं रहा
न वाणी साथ है

न पानी साथ है
न कही प्रकाश है स्वच्छ
जब सब कुछ मैला है आसमान
गंदगी बरसाने वाले
एक अछोर फैला है
कही चले जाओ
विनती नहीं है
वायु प्राणप्रद
आदंकर आदमी
सब जग से गायब है

1. कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है ...
   A. रत्नगर्भा B. आधारशिला
   **C. सर्वसहा** D. माँ
2. 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है
   **A. मानवीयता से भरपूर आदमी** B. ऊंचे कद का आदमी
   C. सम्पूर्ण मनुष्य D. सामान्य आदमी
3. आसमान की तुलना किससे से की गयी है...
   A. समुद्र से B. नीली झील से
   C. पतंग से **D. गंदगी बरसाने वाले थैले से**
4. प्राणदान का तात्पर्य है
   A. प्राणों को पूर्ण करने वाला
   **B. प्राण प्रदान करने वाला**
   C. प्राणों को प्रणाम करने वाला
   D. प्राणों को छीन लेने वाला
5. कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं
   A. किसी के पास बात करने का समय नहीं
   B. किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं
   **C. किसी को प्यार करने का समय नही**
   D. किसी को गप मारने का समय नही

**6. " जग " शब्द के दो समान शब्द लिखिए |**
उत्तर- " विश्व " और " संसार "
**7. " प्रकाश " शब्द का विलोम शब्द लिखिए |**
उत्तर- " अंधकार "
**8. अछोर कहाँ फैला हुआ है ?**
उत्तर- अछोर एक ओर फैला हुआ है |
**9. क्या-क्या साथ नहीं रहा ?**
उत्तर- पानी , वाणी ,और प्रकाश अब साथ न रहा |
**10. " वायु " शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए |**
उत्तर- " हवा "

2) ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।
देखा माता का ऐसा रक्तिम श्रृंगार नहीं।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के वंदन के।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के अर्चन के।
शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ पर अर्पण के।
प्राण-प्राण में भाव उमड़ते शोणित तर्पण के।
जीवन की धारा में देखी ऐसी धार नहीं।
सत्य अहिंसा का व्रत अपना कोई पाप नहीं।
विश्व मैत्री का व्रत भी कोई अभिशाप नहीं।
यही सत्य है सदा असत की टिकती चाप नहीं।
सावधान हिंसक! प्रतिहिंसा की कोई माप नहीं।
कोई भी प्रस्ताव पराजय का स्वीकार नहीं।
ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

**प्रश्न**

(1) उपरोक्त पद्यांश में किसके आवेश' का उल्लेख हुआ है?
(i) माता के **(ii) देश के**
(iii) शत्रु के (iv) इनमें से कोई नहीं

(2) कवि के मतानुसार असत्य है|
**(i) स्थायी** (ii) व्रत
(iii) अभिशाप (iv) अस्थायी

(ग) 'रक्ति श्रृंगार' का अर्थ है
**(i) वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना**
(ii) रक्त बहाना
(iii) शत्रु का खून बहाना ।
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) 'शोणित तर्पण' का अर्थ है
(i) खून बहाकर आक्रमणकारी के पितरों का श्राद्ध करना
**(ii) शत्रु का शोषण करना**
(iii) दुखी होकर श्राद्ध करना
(iv) वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना

(ङ) पद्यांश में 'माता' का प्रतीक है|
(i) देवी की (ii) विश्वमैत्री की
(iii) सत्य-अहिंसा की **(iv) राष्ट्र (देश) की**

3) जग-जीवन में जो चिर महान,
सौंदर्यपूर्ण और सत्यप्राण,
मैं उसका प्रेमी बनूं नाथ!
जिससे मानव-हित हो समान!
जिससे जीवन में मिले शक्ति
छूटे भय-संशय, अंधभक्ति,
मैं वह प्रकाश बन सकें नाथ!
मिल जावे जिसमें अखिल व्यक्ति !

**प्रश्न**

(1) कवि ने 'चिर महान' किसे कहा है?
- (i) मानव को
- **(ii) ईश्वर को**
- (iii) जो सत्य और सुंदर से संपूर्ण हो
- (iv) शक्ति को

(2) कवि कैसा प्रकाश बनना चाहता है?
- (i) जिससे सब तरफ उजाला हो जाए।
- (ii) अज्ञान का अंधकार दूर हो जाए
- (iii) जो जीने की शक्ति देता है।
- **(iv) जिसमें मनुष्य सभी भेदभाव भुलाकर एक हो जाते हैं।**

(3) कवि ने 'अखिल व्यक्ति का प्रयोग क्यों किया है?
- **(i) कवि समस्त विश्व के व्यक्तियों की बात करना चाहता है।**
- (ii) कवि अमीर लोगों की बात कहना चाहता है।
- (iii) कवि भारत के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाहता है।
- (iv) कवि ब्रह्मज्ञानी बनना चाहता है।

(4) कवि ने कविता की पंक्तियों के अंत में विस्मयादिबोधक चिह्न प्रयोग क्यों किया है?
- (i) कविता को तुकांत बनाने के लिए
- **(ii) कवि अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है।**
- (iii) इससे कविता का सौंदर्य बढ़ता है।
- (iv) पूर्ण विराम की लीक से हटने के लिए

(5) कविता का मूलभाव क्या है?
- (i) कल्याण
- (ii) अमरदान की प्राप्ति
- **(iii) विश्व-परिवार की भावना**
- (iv) सत्य की प्राप्ति

## ( व्याकरण-विभाग)

### ➢ वाक्य के प्रश्न

1. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं?
   (अ) चार (ब) तीन ✔
   (स) पाँच (द) दो
2. 'मैं इतना मीठा चाय नहीं पी सकता' इस वाक्य में दोष है-
   (अ) अन्विति का ✔ (ब) पदक्रम का
   (स) क्रिया का (द) सर्वनाम का
3. **'पद'** की परिभाषा क्या है?
   (अ) पद शब्द के प्रारंभ में लगते हैं
   (ब) वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाते हैं ✔
   (स) पद उपसर्ग होते हैं
   (द) विदेशी शब्द पद कहलाते हैं

4. ''समाचार पत्र में अनोखी घटना छपी है'', इस वाक्य में **विधेय** क्या है?
(अ) घटना छपी है (ब) पत्र में
(स) अनोखी घटना छपी है ✔ (द) में छपी है
5. निम्नलिखित वाक्य का **अर्थ की दृष्टि** से प्रकार बताइए-'वर्षा होती, तो फसल अच्छी होती'
(अ) इच्छावाचक वाक्य (ब) संदेहवाचक वाक्य
(स) संकेतवाचक वाक्य ✔ (द) प्रश्नवाचक वाक्य
6. निम्न में से मिश्र वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) रोहन आम खा रहा है
(ब) वह पंडित है, किन्तु हठी है
(स) आकाश में बादल गरजते है
(द) वह कौन-सा व्यक्ति है, जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो ✔
7. निम्नलिखित वाक्य का संदेह वाक्य में रूपान्तरण क्या होगा? 'मनीषा दसवीं में पढ़ती है'
(अ) मनीषा दसवीं, में नहीं पढ़ती है।
(ब) मनीषा दसवीं में पढ़ती होगी। ✔
(स) क्या मनीषा दसवीं में पढ़ती है?
(द) काश! मनीषा दसवीं में पढ़ती।
8. 'जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिताजी जा चुके थे।' वाक्य है-
(अ) सरल वाक्य (ब) संयुक्त वाक्य
(स) मिश्र वाक्य ✔ (द) इनमें से कोई नहीं
9. किशन भी परीक्षा में उत्तीर्ण होगा और हरि भी क्योंकि दोनों बहुत पढ़ते हैं, वाक्य है-
(अ) मिश्र-संयुक्त (ब) मिश्र-मिश्र
(स) संयुक्त-मिश्र ✔ (द) केवल मिश्र
10. निम्नलिखित मिश्र वाक्यों में से कौन-सा विशेषण उपवाक्य है?
(अ) मैं कहता हूँ कि तुम भोपाल जाओ
(ब) लखनऊ, जो उत्तरप्रदेश की राजधानी है, एक ऐतिहासिक नगर है ✔
(स) जब मैं स्टेशन पहुँचा, तभी ट्रेन आयी
(द) मैं चाहता हूँ कि आप यहीं रहें
11. सरल वाक्य का प्रारूप नहीं है-
(अ) अकर्मक (ब) सकर्मक
(स) कर्तृपूरक ✔ (द) प्रेरणार्थक
12. जिन वाक्य में सामान्य रूप से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?
(अ) निषेधार्थक वाक्य (ब) विधानार्थक वाक्य ✔
(स) आज्ञार्थक वाक्य (द) संकेतार्थक वाक्य
13. निम्न में से सरल वाक्य का चयन कीजिए-
(अ) उसने कहा कि कार्यालय बंद हो गया
(ब) सुबह हुई और वह आ गया
(स) राहुल धीरे-धीरे लिखता है ✔
(द) जो बडे है, उन्हें सम्मान दो
14. 'गुरुजन का सम्मान करना सीखो' किस प्रकार का वाक्य है?
(अ) आज्ञार्थक ✔ (ब) संकेतवाचक
(स) संदेहवाचक (द) इच्छार्थक
15. कौन-सा मिश्र वाक्य है?
(अ) राहुल पढ़ रहा है

(ब) सुरेश नदी में डूबने लगा
(स) मैंने सुना है कि सुरैया ने निकाह कर लिया है ✔
(द) वह आया, थोड़ी देर बैठा और तुरन्त लौट गया

16. यदि हम गवाही दे दें तो काम न बन जाए' किस प्रकार का वाक्य है?
(अ) इच्छावाचक (ब) संकेतवाचक ✔
(स) संदेहवाचक (द) आज्ञार्थक

17. 'मोहन घर से लौटकर कहने लगा कि उसका मन नहीं लग रहा है'- इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है-
(अ) संज्ञा पदबंध (ब) क्रिया पदबंध
(स) क्रिया विशेषण पदबंध ✔ (द) समुच्चय बोधक पदबंध

18. 'भगवान करे तुम्हारी नौकरी लग जाए' यह किस प्रकार का वाक्य है?
(अ) इच्छावाचक ✔ (ब) प्रश्नवाचक
(स) संकेतवाचक (द) विधानार्थक

19. 'झूठ मत बोलो' यह किस प्रकार का वाक्य है?
(अ) प्रश्नवाचक (ब) नकारात्मक
(स) निषेधवाचक ✔ (द) विधिवाचक

20. 'जो काम तुम्हे दिया गया है, उसे देखो,' वाक्य में किस अर्थ की व्यंजना कराई जा रही है?
(अ) संदेश (ब) निषेधभाव
(स) आज्ञा ✔ (द) प्रश्न

22. 'उसने अध्ययन नहीं किया अतः अनुत्तीर्ण हो गया।' रचना के आधार पर वाक्य है-
(अ) सरल (ब) मिश्र
(स) संयुक्त ✔ (द) इनमें से कोई नहीं

23. 'मोहन फुटबाल खेलता है।' रचना के आधार पर वाक्य है-
(अ) सरल ✔ (ब) मिश्र
(स) संयुक्त (द) इनमें से कोई नहीं

## ➢ संधि-विच्छेद कीजिए।

1) परीक्षा – परि + ईक्षा
2) गिरीन्द्र – गिरि + इन्द्र
3) मुनीन्द्र – मुनि + इन्द्र
4) अधीक्षक – अधि + ईक्षक
5) हरीश – हरि + ईश
6) अधीन – अधि + इन
7) गिरीश – गिरि + ईश
8) वारीश – वारि + ईश
9) गणेश – गण + ईश
10) अभ्यागत – अभि + आगत
11) अत्याचार – अति + आचार
12) व्याख्यान – वि + आख्यान
13) ऋग्वेद – ऋक् + वेद
14) मंजूषा – मंजु + उषा
15) गुरूपदेश – गुरु + उपदेश
16) साधूपदेश – साधु + उपदेश
17) बहूद्देशीय – बहु + उद्देशीय
18) वधूपालम्भ – वधु + उपालम्भ
19) भानूदय – भानु + उदय

## ➢ विशेषण अभ्यास प्रश्न

1. विशेषण के भेदों का सही समूह है –
(अ) व्यक्तिवाचक, गुणवाचक, संबंधवाचक, सार्वनामिक
(ब) गुणवाचक, परिणामवाचक, संख्यावाचक, भाववाचक
(स) व्यक्तिवाचक, संबंधवाचक, निश्चयवाचक, निजवाचक
(द) गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक, सार्वनामिक ✔

2. 'उत्कर्ष' से विशेषण क्या बनेगा ?
(अ) अपकर्ष (ब) अवकर्ष
(स) उत्कृष्ट ✔ (द) अधोकृष्ट
3. अर्थ की दृष्टि से विशेषण के कितने भेद माने गए हैं –
(अ) चार ✔ (ब) तीन
(स) पाँच (द) छह
4. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि नहीं है, वह कौन-सा है?
(अ) उसमें एक गोपनीय रहस्य है।
(ब) आप जैसा अच्छा सज्जन कौन होगा।
(स) कहीं से खूब ठण्डा बर्फ लाओ।
(द) वहाँ ज्वर की सर्वोत्कृष्ट चिकित्सा होती है। ✔
5. विशेष्य किसे कहते हैं –
(अ) जो विशेषता बताई जाए
(ब) जिसकी विशेषता बताई जाए ✔
(स) जो विशेषता बताए
(द) इनमें से कोई नहीं
6. 'आलस्य' संज्ञा का विशेषण रूप क्या है?
(अ) आलस (ब) अलसता
(स) आलसी ✔ (द) आलसीपन
7. संज्ञा या सर्वनाम के गुण, आकार, रंग, दशा, काल और स्थान का बोध करानेवाले विशेषण हैं –
(अ) परिमाणवाचक (ब) गुणवाचक ✔
(स) संख्यावाचक (द) सार्वनामिक
8. 'शक्ति' शब्द से बननेवाला विशेषण कौनसा नहीं है?
(अ) शक्तिशाली (ब) शाक्त
(स) शक्तिमान (द) शक्तियाँ ✔
9. 'दानवीर कर्ण का सभी स्मरण करते हैं।' वाक्य का 'दानवीर' शब्द कौनसा विशेषण है?
(अ) परिमाण वाचक (ब) गुणवाचक ✔
(स) संख्यावाचक (द) सार्वनामिक
10. निम्नलिखित शब्दों में कौनसा शब्द विशेषण है?
(अ) सच्चा ✔ (ब) शीतलता
(स) नम्रता (द) देवत्व
11. अच्छा-बुरा, सुगंधित, उत्तरी-पूर्वी, प्राचीन आदि विशेषण किस प्रकार के हैं –
(अ) परिमाणवाचक (ब) संख्यावाचक
(स) गुणवाचक ✔ (द) स्थानवाचक
12. निम्नलिखित में से प्रविशेषण शब्द है –
(अ) गहरा कुआँ (ब) बहुत खर्च
(स) निपट अनाडी ✔ (द) शांत लङ्का
13. 'संस्कृति' संज्ञा किस विशेषण शब्द से बना है?
(अ) संस्कृत ✔ (ब) सुकृति
(स) सांस्कृतिक (द) संस्कार
14. निम्नांकित में विशेषण है?
(अ) सुलेख (ब) आकर्षक ✔
(स) हव्य (द) पौरुष

15. निम्नलिखित में से विशेषण शब्द है –
(अ) नारी (ब) सुबह
(स) पिता (द) पैतृक ✔
16. 'मानव' शब्द से विशेषण बनेगा –
(अ) मनुष्य (ब) मानवीकरण
(स) मानवता (द) मानवीय ✔
17. 'आदर' शब्द से विशेषण बनेगा –
(अ) आदरकारी (ब) आदरपूर्वक
(स) आदरणीय ✔ (द) इनमें से कोई नहीं
18. 'पाणिनि' का विशेषण क्या होगा?
(अ) पाणनीय (ब) पाणिनीय ✔
(स) पाणीनी (द) पाणिनी

## ➢ उपसर्ग-

अति –अतिरिक्त, अतिशय, अतिशयोक्ति
अनु – अनुभव, अनुसार,अनुचर, अनुग्रह
निस् – निस्वार्थ, निष्कर्ष निष्पक्ष
परि – परिस्थिति, परिवार, परिहास
हम – हमसफ़र, हमशक्ल, हमदर्द
हर – हरअजीज , हरवक्त, हरदम
खुश –खुशफहमी, खुशदिल, खुशमिजाज
ला – लानत, लाचार, लाइलाज

## ➢ प्रत्यय-

आवट – मिलावट,लिखावट,बसावट, बनावट
आहट – फुसफुसाहट,मरमराहट, घबराहट। छटपटाहट
आया – बनाया, सुनाया, बहलाया, खिलाया
आक – छपाक,तपाक,चटाक, मजाक
आऊ – लडाऊ,गिराऊ,बुझाऊ,घुमाऊ
इमा – गरिमा, लघिमा
नाक – खतरनाक, दर्दनाक
दान – दीपदान, अंगदान, पिंडदान
कार – कलाकार चित्रकार पत्रकार, कुंभकार

## ➢ क्रियाविशेषण

**1. स्थानवाचक क्रियाविशेषण :-** जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के स्थान का पता चले उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। वे शब्द जो क्रिया के घटित होने के स्थान का बोध कराते हैं उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।
**जैसे** :- यहाँ , वहाँ , कहाँ , जहाँ , तहाँ , सामने , नीचे , ऊपर , आगे , भीतर , बाहर , दूर , पास , अंदर , किधर , इस

ओर , उस ओर , इधर , उधर , जिधर , दाएँ , बाएँ , दाहिने आदि।

**उदाहरण** :-

(i) बच्चे ऊपर खेलते हैं।

(ii) अब वहाँ अकेला मजदूर था।

(iii) तुम बाहर बैठो।

(iv) वह ऊपर बैठा है।

(v) नीमा बाहर जा रही है।

(vi) शशि मेरे पास बैठी है।

(vii) सुधा बाहर गई है।

**2. कालवाचक क्रियाविशेषण :-** जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के समय का पता चलता है उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।अथार्त जिन शब्दों से क्रिया के घटित होने के समय का पता चले उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

**जैसे** :- आज , कल , परसों , पहले , पीछे , अब तक , अभी-अभी , लगातार , बार-बार , प्रतिदिन , अक्सर , बाद में , जब , तब , अभी , आज , कभी , नित्य , सदा , तुरंत , आजकल , कई बार , हर बार आदि।

**उदाहरण** :-

(i) आज बरसात होगी।

(ii) राम कल मेरे घर आएगा।

(iii) वह कल आया था।

(iv) तुम अब जा सकते हो।

(v) अब मैं स्कूल जा रहा हूँ।

(vi) रमा कल आई थी।

(vii) हमारा मित्र अभी आ जायेगा।

**3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण :-** जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के परिमाण और उसकी संख्या का पता चलता है उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

**जैसे** :- बहुत , अधिक , पूर्णतया , सर्वथा , कुछ , थोडा , काफी , केवल , यथेष्ट , इतना , उतना , कितना , थोडा-थोडा , तिल-तिल , एक-एक करके , पर्याप्त , जरा , खूब , बिलकुल , बहुत , थोडा , ज्यादा , अल्प , केवल , तनिक , बड़ा , भारी , अत्यंत , लगभग , क्रमशः , सर्वथा , अतिशय , निपट , टुक , किंचित् , बराबर , अस्तु , यथाक्रम आदि।

**उदाहरण** :-

(i) अधिक पढो।

(ii) ज्यादा सुनो।

(iii) कम बोलो।

(iv) अधिक पियो।

(v) आप अधिक बोलते हो।

(vi) मेरे पास कम पैसे हैं।

(vii) अशोक तेज दौड़ता है।

(viii) सुभाष बहुत पढ़ता है।

**4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण :-** जिन अविकारी शब्दों से क्रिया की रीति या विधि का पता चलता है उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

**जैसे** :- सचमुच , ठीक , अवश्य , कदाचित , यथासंभव , ऐसे , वैसे , सहसा , तेज , सच ,अतः , इसलिए , क्योंकि , नहीं मत , कदापि , तो , हो , मात्र , भर , गलत , सच , झूठ , धीरे , सहसा , ध्यानपूर्वक , हंसते हुए , तेजी से ,

फटाफट , धडामसे , झूमते हुए आदि।

**उदाहरण** :-

(i) अचानक काले बादल घिर आए।
(ii) हरीश ध्यान पूर्वक पढ़ रहा है।
(iii) रमेश धीरे -धीरे चलता है।
(iv) वह तेज भागता है।
(v) कछुआ धीरे-धीरे चलता है।
(vi) नेहा मेहनत करती है।
(vii) नई जगह पर धीरे-धीरे चलना चाहिए।
(viii) वह मेरी ओर मुस्कुरा कर देख रही थी।

## (साहित्य-विभाग)

### ➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) अभी किसका अंत न होगा?
(a) वसंत का **(b) कवि के जीवन का**
(c) प्रभाव का (d) कलियों का

2) 'कलियाँ' किसका प्रतीक हैं?
**(a) नवयुवकों का** (b) फूलों का
(c) वसंत का (d) प्रातः काल का

3) बदलू कौन था?
(a) लोहार (b) सुनार
**(c) मनिहार** (d) बढ़ई

4) बदलू प्रतिदिन कितनी चूड़ियाँ बना लिया करता था?
(a) तीन-चार जोड़े (b) चार-पाँच जोड़े
**(c) चार-छह जोड़े** (d) छह-सात जोड़े

5) पन्ना से सतना के लिए बस कितनी देर बाद मिलती है?
(a) आधा घंटा **(b) एक घंटे बाद**
(c) दो घंटे बाद (d) प्रातः काल

6) उस बस में कंपनी के कौन सवार थे?
(a) चौकीदार **(b) हिस्सेदार**
(c) दावेदार (d) इनमें से कोई नहीं

7) 'दीवानों की हस्ती' कविता के रचयिता कौन हैं?
(a) महादेवी वर्मा **(b) भगवतीचरण वर्मा**
(c) सुभाष गताडे (d) जया जादवानी

8) मस्ती भरा जीवन जीने वाले लोगों के बीच क्या बन जाते हैं ?
(a) आदर्श (b) शोक
(c) मेहमान **(d) उल्लास**

9) यह दुनिया किनकी है?

**(a) भिखमंगों की** (b) दीवानों की

(c) कवि की (d) सभी की

10) संदेश पहुँचाने का काम कौन शीघ्र करने लगा?

(a) घोड़े (b) वायुयान

**(c) रेलवे और तार** (d) पत्र

11) कन्नड़ भाषा में पत्र को क्या कहते हैं

**(a) कागद** (b) उत्तरम्

(c) खत (d) कडिद

12) भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?

(a) आपसी प्रेम का **(b) विश्वबंधुत्व का**

(c) भेद-भाव न करने का (d) निरंतर आगे बढ़ने का

13) 'भगवान के डाकिए' द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?

**(a) इंसान** (b) पेड़-पौधे

(c) पानी (d) पहाड़

14) आजकल समाचार पत्रों में क्या छपते हैं?

(a) ठगी एवं डकैती (b) चोरी और तस्करी

(c) भ्रष्टाचार **(d) उपर्युक्त सभी**

15) भारतवर्ष में किसके संग्रह को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाता?

(a) धन-संपत्ति (b) लोभ-मोह को

(c) काम-क्रोध को **(d) भौतिक वस्तुओं को**

16) चरम और परम किसे माना जाता है?

(a) अकेला व एक सार **(b) अंग्रेज़ी व प्रधान**

(c) अग्र व पीछे (d) इनमें से कोई नहीं

17) तिनका कहाँ है?

(a) पानी में (b) ज़मीन में

**(c) चिड़िया के चोंच में** (d) पेड़ पर

18) रेलवे स्टेशन पर क्या है?

(a) रेलगाड़ियों का तांता **(b) यात्रियों की भीड़**

(c) ढेर सारा सामान (d) इनमें से कोई नहीं

19) साधु से क्या पूछना चाहिए?

(a) जाति (b) धर्म

**(c) ज्ञान** (d) वाणी

20) कबीर किसकी निंदा न करने की सीख देते हैं?

(a) पड़ोसियों की (b) मित्रों की

**(c) कमज़ोर लोगों की** (d) जानवरों की

## ➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

**प्रश्न-1 रज्जो कौन थी?**

उत्तर - रज्जो बदलू की बेटी थी।

**प्रश्न- 2 बदलू का स्वभाव कैसा था?**

उत्तर - बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था क्योंकि लेखक ने कभी भी उसे झगड़ते नहीं देखा था।

**प्रश्न-3 बदलू कौन था?**
उत्तर  बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर  चूड़ियाँ बनता था।
**प्रश्न-4 लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?**
उत्तर – वृद्धावस्था
**प्रश्न-5 पहली बार बस किस कारण रुकी?**
उत्तर -पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।
**प्रश्न-6 कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?**
उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।

**प्रश्न-7 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?**
उत्तर - कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती - रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।
**प्रश्न-8  कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?**
उत्तर - कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा इसलिए कहा है क्योंकि दुनिया में सभी लोग एक दूसरे से कुछ न कुछ माँगते रहते हैं।
**प्रश्न-9 संचार के कुछ आधुनिक साधन लिखिए।**
उत्तर – फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन, मोबाइल आदि संचार के कुछ आधुनिक साधन हैं।
**प्रश्न-10 गाँवों या गरीब बस्तियों में किसे देवदूत के रूप में देखा जाता है?**
उत्तर - गाँवों या गरीब बस्तियों में चिठ्ठी या मनीऑडर लेकर पहुँचने वाला डाकिया देवदूत के रूप  में देखा जाता है।
**प्रश्न-11 भगवान के डाकिए किन्हें कहा गया है?**
उत्तर – भगवान के डाकिए पक्षी और बादल को कहा गया है।
**प्रश्न-12  इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?**
उत्तर – एकता, भाईचारे और सप्रेम से मिलजुलकर रहने का संदेश देना चाहता है।
**प्रश्न-13 बादल और पक्षी क्या संदेश लेकर आते हैं?**
उत्तर - बादल और पक्षी प्रकृति में होने वाले परिवर्तन का संदेश लेकर आते हैं।
**प्रश्न-14  'यह कठिन समय नहीं है' कविता की कवयित्री का नाम क्या है?**
उत्तर -  'यह कठिन समय नहीं है' कविता की कवयित्री का नाम जया जादवानी है।
**प्रश्न-15 'यह सबसे कठिन समय नहीं है' यह पंक्ति हमें क्या संदेश देती है?**
उत्तर -  इस कविता में कवयित्री ने विषम परिस्थितियों में भी हार न मानने का संदेश दिया है।

## ➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

**1) अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा क्यों कहा?**
उत्तर -  'अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि वे बताना चाहते हैं कि अभी अंत नहीं होने वाला है। अभी अभी तो वसंत का आगमन हुआ है जिससे उसका जीवन खुशियों से भर गया है। वह उमंग से भरा हुआ है।
**2) कवि पुष्पों को किस रूप में देखता है और इनमें क्या परिवर्तन चाहता है?**
उत्तर -कवि को पुष्प आलसी तथा नींद से बोझिल दिखाए पड़ रहे हैं। अपने स्पर्श से पुष्पों की  नींद भरी आँखों से आलस्य छीन लेना चाहता है, यानी कवि उनका आलस्य दूर कर उन्हें चुस्त और जागरूक बनाना चाहता है।
**3) सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी क्यों लगता था?**
उत्तर  सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी इसलिए लगता था क्योंकि वह लेखक को  सुंदर - सुंदर लाख की गोलियाँ बना कर देता था।

**4) आशय स्पष्ट कीजिए -'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'**

उत्तर – इस कथन का आशय यह है कि मनुष्य को इस संसार को त्यागने अर्थात मरने के लिए एक साधन की आवश्यकता होती है। यहाँ वह साधन बस है जिसमें कि लेखक और उसके मित्र यात्रा कर रहे हैं।

**5) लेखक की चिंता क्यों जाती रही?**

उत्तर – बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

**6) 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।**

उत्तर - कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकरआया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

**7) कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?**

उत्तर कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न उसे किसी बात का दुःख है और ना ही किसी बात क खुशी। उस का रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है की कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

**8) विश्व डाक संघ की ओर से सन् 1972 से किस प्रतियोगिता का सिलसिला शुरू किया गया?**

उत्तर – विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का कार्यक्रम सन् 1972 से शुरू किया गया।

**9) ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया पता लिखकर आते थे?**

उत्तर - महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया' पता लिखकर आते थे क्योंकि वह अपने समय के सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति थे। गाँधी जी कही भी रहे, यह सभी देशवासियों को पता होता था। इसलिए उनको पत्र अवश्य मिल जाता था।

**10) कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है?**

उत्तर - कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए बताया है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। इन संदेशों को मनुष्य इतनी आसानी से नहीं पढ़ अथवा समझ पाते परन्तु पेड़ - पौधे, नदी - सागर आदि इनके संदेशों को बड़ी सरलता से पढ़ लेते हैं।

**11) बुरा आचरण क्या है?**

उत्तर - लोभ - मोह, काम - क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विधमान रहतें हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बुरा आचरण है।

**12) 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का क्या आशय है?**

उत्तर – 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का आशय भारत वर्ष में रहने वाले विभिन्न जाति एवं धर्म के मनुष्यों से है जो अलग - अलग स्थानों से आए हैं तथा अपने साथ तरह - तरह के जीवन मूल्य एवं आदर्श लाए हैं।

**13) कबीर के सखियाँ हमें क्या संदेश देती हैं?**

उत्तर - कबीर के सखियाँ हमें यह संदेश देती हैं कि हमें साधु से उनकी जाति न पूछ कर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। किसी से भी हमें कटु वचन नहीं बोलना चाहिए। ईश्वर की भक्ति हमें स्थिर मन सेकरना चाहिए। हमें अपना स्वभाव शांत रखना चाहिए और सभी को समान भाव से देखना चाहिए।

**14) कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं?**

उत्तर - कबीरदास जी के अनुसार हमें कभी भी अहंकार वश किसी भी वस्तु को निम्न समझकर उसकीनिंदा नहीं करनी चाहिए क्योंकि समय आने पर वही छोटी वस्तु बड़े कष्ट का कारण बन सकती है। हर एक में कुछ न कुछ अच्छाई होती है। अत: हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

दीर्घ प्रश्नों के उत्तर ल खए|

**1) वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?**

उत्तर- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों, पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू- कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है।

**2) सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है?**

उत्तर - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेज़ी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

**3) कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?**

उत्तर - कवि ने अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने पर लोगों में जोश तथा ख़ुशी का संचार होता है। कवि लोगों में खुशियाँ बाटता है। इसी कारण लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

**4) पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे?**

उत्तर - पिन कोड किसी खास क्षेत्र को संबोधित करता है कि यह पत्र किस राज्य के किस क्षेत्र का है। इसके साथ व्यक्ति का नाम और नंबर आदि भी लिखना पड़ता है।पिन कोड का पूरा रूप है पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह 6 अंको का होता है। हर एक का खास स्थानीय अर्थ होता है, जैसे – १ अंक राज्य, २ और ३ अंक उपक्षेत्र, अन्य अंक क्रमशः डाकघर आदि के होते है। इस प्रकार पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है।

**5) पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?**

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। तभी तो नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने जल को बाँटती है। पहाड़ भी सामान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। हवा भी समान भाव से बहती हुई अपनी ठंडक, शीतलता व सुगन्ध को बाँटती है। पेड़-पौधें भी समान भाव से अपने फल, फूल व सुगन्ध को बाँटते हैं। ये सभी कभी भेदभाव नही करते। मानव को भी इनसे प्रेरणा लेकर प्रेम और सद्भावना को बढ़ाना चाहिए।

**6) 'महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।' इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?**

उत्तर – उपरोक्त कथन लेखक के भारतवर्ष के प्रति अच्छे विचारों का प्रतीक है। निरंतर बुराईयों के बीच घिरे रहने के पश्चात भी लेखक निराश नहीं होते बल्कि अपने जीवन में घटनेवाली सच्ची और अच्छी घटनाओं से आशान्वित होकर वे ऐसा मानते हैं कि मेरे भारतवर्ष से महानता, सच्चाई और अच्छाई अभी पूरी तरह से नष्ट नहीं हुई है। अभी भी भारत वर्ष में सच्चे, ईमानदार व्यक्तियों के कारण सच्चाई और अच्छाई जैसे गुण विद्यमान हैं जो की हमारे भारतवर्ष को महान बनाने में सहायक होंगे।

**7) 'तलवार का महत्व होता है म्यान का नहीं'-उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहते हैं?**

उत्तर - 'तलवार का महत्व होता है, म्यान का नहीं' से कबीर यह कहना चाहता है कि हमें किसी भी वस्तु के आंतरिक गुणों को महत्व देना चाहिए नाकि बाहरी सुंदरता को। उसी प्रकार किसी व्यक्ति की पहचान उसके गुणों एवं ज्ञान से होती हैं नाकि कुल, जाति, धर्म आदि से। ज्ञान के आगे जाति का कोई अस्तित्व नहीं है।

## ( भारत की खोज )

1) नेहरुजी ने अपनी वरासत कसे माना है ?

- वषय की कठिनता और जटिलता को नेहरुजी ने अपनी वरासत माना है |

2) नेहरुजी की यह कौन -सी जेल यात्रा थी ?

- नेहरुजी की यह नौवीं जेल यात्रा थी |

3) गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था ?

- गेटे के अनुसार - " ऐसा इतिहास -लेखन अतीत के भारी बोझ से कसी सीमा तक राहत दिलाता है "|

4) " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने कब और कहाँ लखी थी ?

- " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने 13 अप्रैल , 1944 में लखी थी |

5) नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठा ली ?

- जेल के अ धकारी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देते थे , इस लए नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम उठा ली |

6) हिमालय के **हृदय से कौन -कौन सी नदियाँ निकली हैं ?**

- हिमालय के हृदय से गंगा , यमुना , संधु , ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ निकली है |

7) नेहरू जी के मन में भारत के वषय में कौन -कौन से प्रश्न उठते थे ?

- वे सोचते थे क आ खर यह भारत है क्या ? वह शक्ति कैसे खोता गया ? यह वश्व से अपना तालमेल कस रूप में बैठता है ? ये सारे प्रश्न नेहरू जी के मन में उठते थे |

8) 'अर्थशास्त्र' की रचना कब हुई थी?

- ई.पू. चौथी शताब्दी

9) संधु घाटी सभ्यता कतनी प्राचीन है?

- संधु घाटी सभ्यता छह-सात हज़ार वर्ष पूर्व प्राचीन है |

10) आर्य कौन थे ? वे कहाँ से आए थे ?

- आर्य द्र वड़ जाति से ही बने हुए थे | आर्य मोहेंजोदारों के समय से कई हजार वर्ष पूर्व भारत आए होंगे |

11) संधु घाटी सभ्यता के बारे में क्या अनुमान लगाया जा सकता है ?

- संधु घाटी सभ्यता के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है क यह सभ्यता पूरी तरह से वक सत थी |

12) भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों का नाम बताइए।

- रामायण व महाभारत

13) ऋगवेद की रचना कतने साल पुरानी है?

- **1500** ईसा पूर्व

14) नागार्जुन कौन थे ?

- नागार्जुन एक महान व्यक्ति एवं बौद्ध शास्त्र , भारतीय दर्शन के बड़े वद्वान थे |

15) हे लओदों स्तंभ के नाम से क्या प्र सद्ध है ?

- हे लओदों स्तंभ के नाम से ग्रेनाइट पत्थर की एक लाट प्र सद्ध है|

16) भारत के पतन के क्या कारण थे?

- एक के बाद एक वदेशी शासक का भारत पर शासन करना और राजनीति का टूटना|

17) औरंगजेब की मृत्यु कब हुई ?

- औरंगजेब की मृत्यु 1707 में हुई ।

18) हर्षवर्धन कहाँ पर शासन करता था ?

- हर्षवर्धन उत्तर भारत में शासन करता था |

19) चीनी यात्री हुयान कहाँ पर अध्ययन करते थे ?

- चीनी यात्री हुयान नालंदा में अध्ययन करते थे ।

20) भारत में ईस्ट इं डया की स्थापना कब हुई?

(a) 1700 (b) 1800
**(c) 1600** (d) 1500

21) मराठों के सेना नायक कौन थे?

**(a)** छत्रपति शवाजी (b) रणजीत संह

(c) टीपू सुल्तान (d) दारा

21) 'पद्मावत' ग्रंथ की रचना कसने की?

(a) रहीम **(b)** जायसी

(c) तुलसी (d) कबीर

22) बाबर ने भारतीय सत्ता की नींव कब रखी?

(a) 1770 (b) 1530
**(c) 1526** में (d) 1600

23) सबसे पहले प्राचीन काल में कस ल प का निर्माण हुआ?

(a) देवनागरी **(b)** ब्राह्मी ल प

(c) रोमन ल प (d) गुरुमुखी

24) प्राचीन समय में भारत की राजधानी थी।

(a) लखनऊ (b) कानपुर

(c) जम्मू **(d)** इंद्रप्रस्थ

25) भारत का नाम कसके नाम पर पड़ा?

(a) राजा भारत **(b)** राजा भरत

(c) भरतमुनि (d) भारद्वाज

**26)** संधु नदी का दूसरा नाम है**?**

**(a)** इंडस (b) इं डया

(c) इंदु (d) इंद्रनील

## (लेखन-विभाग)

## ➢ पत्र लेखन

**1) आपकी बड़ी बहन के विवाह पार अपने मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |**

20/ कैलाश नगर
करोलबाग ,
दिल्ली |
दिनांक.........
प्रिय सखी
मधुरस्मृति
तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी बड़ी बहन नेहा दीदी का शुभ विवाह 10 फरवरी 2020 को होना निश्चित हुआ है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस अवसर पर तुम भी यहाँ आ जाओ और कार्यक्रम में सम्मिलित हो।
पत्र के साथ मैं कार्यक्रम संबंधी पूरी जानकारी भेज रही हूँ तथा एक निमंत्रण पत्र तुम्हारे माता-पिता के लिए भी संलग्न कर रही हूँ। मेरे माता-पिता की इच्छा है कि तुम्हारे माता-पिता भी इस अवसर पर पधारकर कृतार्थ करें। पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में।
तुम्हारी सखी
अंशु

**2) डाकिए की डाक बाँटने के लिए अनियमितता की शिकायत।**

सेवा में
डाकपाल महोदय
अंकुर विहार डाकखाना
लोनी, गाजियाबाद।
विषय – डाकिए की डाक बाँटने की अनियमितता के विषय में पत्र
महोदय
सविनय निवेदन यह है कि हमारे क्षेत्र अंकुर विहार गाजियाबाद में गत पाँच-छह महीने से डाक वितरण अनियमितता से स्थानीय निवासी परेशान हैं।
इस क्षेत्र में प्रतिदिन डाक वितरण नहीं होता। डाकिए सप्ताह में केवल एक या दो बार आते हैं तथा मुहल्ले के गेट पर खड़े चौकीदारों को सभी पत्र थमा कर चले जाते हैं। कई बार पत्र गलत पते पर डालकर चले जाते हैं जिससे और भी अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। जरूरी डाक तथा तार समय पर न मिलने से कई लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा तथा कुछ बच्चों के दाखिले भी नहीं हो पाए। ये सभी डाकिए त्योहार पर रुपए माँगने तो आ जाते हैं पर डाक देने नहीं। किसी-किसी ने तो मनी आर्डर की राशि भी पूरी न मिलने की शिकायत की है।
आशा है आप उक्त अनियमितताओं को दूर करने के लिए उचित कार्यवाही करेंगे।
धन्यवाद
भवदीय
आयुष रंजन तिवारी

**3) अपनी छोटी बहन को समय का सदुपयोग करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।**

18, जीवन नगर,
गाजियाबाद।
दिनांक 19-3-20xx
प्रिय कुसुमलता,
शुभाशीष।

आशा करता हूँ कि तुम सकुशल होगी। छात्रावास में तुम्हारा मन लग गया होगा और तुम्हारी दिनचर्या भी नियमित चल रही होगी। प्रिय कुसुम, तुम अत्यन्त सौभाग्यशाली लड़की हो जो तुम्हें बाहर रहकर अपना जीवन संवारने का अवसर प्राप्त हुआ है, परन्तु वहाँ छात्रावास में इस आज़ादी का तुम दुरुपयोग मत करना। बड़ा भाई होने के नाते मैं तुमसे यह कहना चाहता हूँ कि तुम समय का भरपूर सदुपयोग करना। तुम वहाँ पढ़ाई के लिए गई हो। इसलिए ऐसी दिनचर्या बनाना जिसमें पढ़ाई को सबसे अधिक महत्त्व मिले। यह सुनहरा अवसर जीवन में फिर वापस नहीं आएगा। इसलिए समय का एक-एक पल अध्ययन में लगाना| मनोरंजन एवं व्यर्थ की बातों में ज़्यादा समय व्यतीत न करना। अपनी रचनात्मक रुचियों का विस्तार करना। खेल-कूद को भी पढ़ाई जितना ही महत्त्व देना। आशा करता हूँ तुम मेरी बातों को समझकर अपने समय का उचित प्रकार सदुपयोग करोगी तथा अपनी दिनचर्या का उचित प्रकार पालन करके परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करोगी। शुभकामनाओं सहित।

तुम्हारा भाई,
कैलाश

# अनुच्छेद

## 1) वन और पर्यावरण का सम्बन्ध

संकेत-बिंदु -
वन प्रदुषण-निवारण में सहायक,
वनों की उपयोगिता,
वन संरक्षण की आवश्यकता,
वन संरक्षण के उपाय।

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए पृथ्वी के 33% भाग को अवश्य हरा-भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक हैं। ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि प्रदुषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के भण्डार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 % वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों को संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण काम है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा।अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

## 2) समाचार-पत्र : ज्ञान और मनोरंजन का साधन

संकेत बिंदु –

- जिज्ञासा पूर्ति का सस्ता एवं सुलभ साधन
- रोज़गार का साधन
- समाचार पत्रों के प्रकार
- जानकारी के साधन।

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह अपने समाज और आसपास के अलावा देश-दुनिया की जानकारी के लिए जिज्ञासु रहता है। उसकी इस जिज्ञासा की पूर्ति का सर्वोत्तम साधन है-समाचार-पत्र, जिसमें देश-विदेश तक के समाचार आवश्यक चित्रों के साथ छपे होते हैं। सुबह हुई नहीं कि शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्र विक्रेता घर-घर तक इनको पहुँचाने में जुट जाते हैं। कुछ लोग तो सोए होते हैं और समाचार-पत्र दरवाज़े पर आ चुका होता है। अब समाचार पत्र अत्यंत सस्ता और सर्वसुलभ बन गया है।समाचार पत्रों के कारण लाखों लोगों को रोजगार मिला है। इनकी छपाई, ढुलाई, लादने-उतारने में लाखों लगे रहते हैं तो एजेंट, हॉकर और दुकानदार भी इनसे अपनी जीविका चला रहे हैं। इतना ही नहीं पुराने समाचार पत्रों से लिफ़ाफ़े बनाकर एक वर्ग अपनी आजीविका चलाता है। छपने की अवधि पर समाचार पत्र कई प्रकार के होते हैं।प्रतिदिन छपने वाले समाचार पत्रों को दैनिक, सप्ताह में एक बार छपने वाले समाचार पत्रों को साप्ताहिक, पंद्रह दिन में छपने वाले समाचार पत्र को पाक्षिक तथा माह में एक बार छपने वाले को मासिक समाचार पत्र कहते हैं। अब तो कुछ शहरों में शाम को भी समाचार पत्र छापे जाने लगे हैं। समाचार पत्र हमें देशदुनिया के समाचारों, खेल की जानकारी मौसम तथा बाज़ार संबंधी जानकारियों के अलावा इसमें छपे विज्ञापन भी भाँति-भाँति की जानकारी देते हैं।

## 3) जन्माष्टमी

जन्माष्टमी पर्व को भगवान श्री कृष्ण_के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व पूरी दुनिया में पूर्ण आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी को भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। जन्माष्टमी पर्व भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो रक्षाबंधन के बाद भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है।श्री कृष्ण देवकी और वासुदेव के 8वें पुत्र थे। मथुरा नगरी का राजा कंस था, जो कि बहुत अत्याचारी था। उसके अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। एक समय आकाशवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी का 8वां पुत्र उसका वध करेगा। यह सुनकर कंस ने अपनी बहन देवकी को उसके पति वासुदेवसहित काल-कोठारी में डाल दिया। कंस ने देवकी के कृष्ण से पहले के 7 बच्चों को मार डाला।जब देवकी ने श्री कृष्ण को जन्म दिया, तब भगवान विष्णु ने वासुदेव को आदेश दिया कि वे श्री कृष्ण को गोकुल में यशोदा माता और नंद बाबा के पास पहुंचा आएं, जहां वह अपने मामा कंस से सुरक्षित रह सकेगा। श्री कृष्ण का पालन-पोषण यशोदा माता और नंद बाबा की देखरेख में हुआ। बस, उनके जन्म की खुशी में तभी से प्रतिवर्ष जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मंदिरों को खासतौर पर सजाया जाता है। जन्माष्टमी पर पूरे दिन व्रत का विधान है। जन्माष्टमी पर सभी 12 बजे तक व्रत रखते हैं। इस दिन मंदिरों में झांकियां सजाई जाती हैं और भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाया जाता है और रासलीला का आयोजन होता है।जन्माष्टमी के दिन देश में अनेक जगह दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। दही-हांडी प्रतियोगिता में सभी जगह के बाल-गोविंदा भाग लेते हैं। छाछ-दही आदि से भरी एक मटकी रस्सी की सहायता से आसमान में लटका दी जाती है और बाल-गोविंदाओं द्वारा मटकी फोड़ने का प्रयास किया जाता है। दही-हांडी प्रतियोगिता में विजेता टीम को उचित इनाम दिए जाते हैं। जो विजेता टीम मटकी फोड़ने में सफल हो जाती है वह इनाम का हकदार होजन्माष्टमी के दिन व्रत रखने का विधान है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार फलाहार करना चाहिए। कोई भी भगवान हमें भूखा रहने के लिए नहीं कहता इसलिए अपनी श्रद्धा अनुसार व्रत करें। पूरे दिन व्रत में कुछ भी न खाने से आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इसीलिए हमें श्री कृष्ण के संदेशों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

## ➢ चित्र -वर्णन

यह चित्र दीपावली के त्योहार का है। यह त्योहार खुशियों का प्रकाश का त्योहार कहलाता है। चित्र में एक घर है जिसके सामने एक पंक्ति में दिए जल रहे हैं। घर के सामने एक बड़ा-सा मैदान है जहाँ बच्चे दीवाली का त्योहार मनाते दिखाई दे रहे हैं। दो बच्चे एक-दूसरे को मिठाई खिला रहे हैं। पास में एक लड़की खुशी से चहकती हुई मिठाई लेने के लिए हाथ बढ़ा रही है। उनके पीछे एक बच्चा अनार छुड़ाकर उसमें से निकलती रोशनी को देखकर खुश हो रहा है। दो बच्चे (शायद भाई बहन) पटाखे को छुड़ाने की तैयारी में हैं। पूरा चित्र खुशी की झलक दे रहा है।

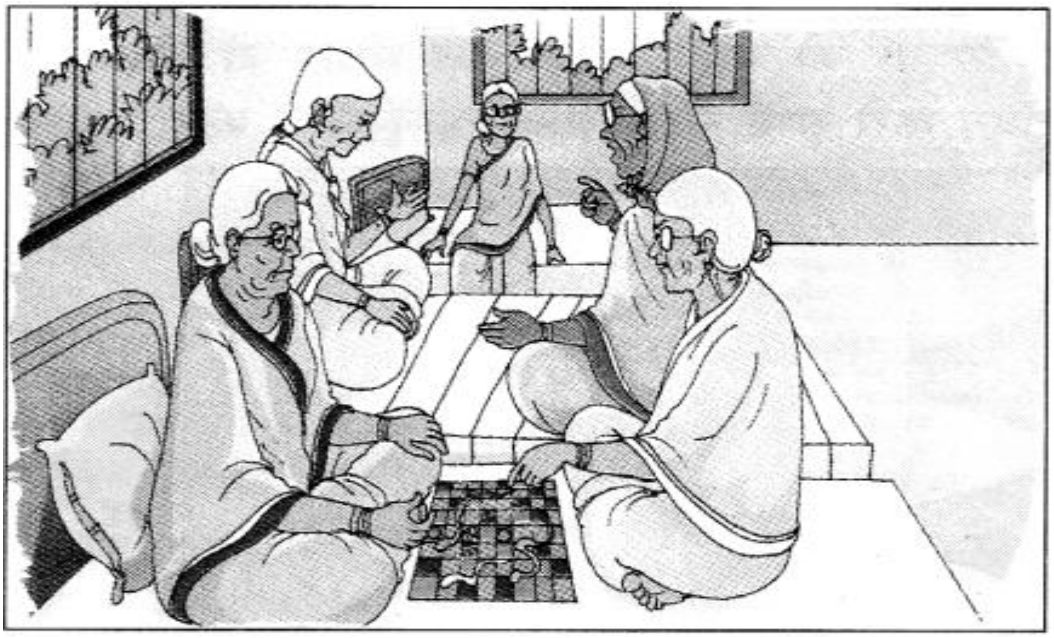

इस चित्र में एक वृद्धाश्रम का दृश्य नज़र आ रहा है। इस चित्र को देखकर हमारे समाज में फैली संवेदनहीनता की भावना उजागर हो रही है। हमारे माता-पिता या बुजुर्गों जो हमारी सामाजिक व्यवस्था के स्तंभ होते हैं, उन्हें जिस समय पारिवारिक सहयोग तथा साथ की ज़रूरत होती है उस समय वृद्धाश्रमों में भेजकर आज का युवक अपनी जिम्मेदारी से मुँह मोड़ रहा है। यहाँ सभी बुजुर्ग एक-दूसरे के साथ बातें करते, सैर करते हुए, बैठकर कैरम तथा साँप-सीढ़ी जैसे खेल खेलकर अपना मनोरंजन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। सभी के चेहरे पर दिखाई देने वाली मुस्कान बता रही है कि इस पल में वे सभी प्रसन्न हैं। यदि उनकी मानसिक स्थिति की बात की जाए तो निश्चित ही कहीं किसी कोने में वे अपने परिवार, अपने बच्चों की कमी अवश्य महसूस करते होंगे। लेकिन मेरा यह सोचना है कि आज की सामाजिक व्यवस्था को देखते हुए वृद्धों के लिए इससे बेहतर और कोई जगह नहीं हो सकती जहाँ वे अपने हमउम्र के लोगों के साथ आनंदपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

## ➢ संवाद लेखन

**1)परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।**

अक्षर – नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?
विमल – नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।
अक्षर – मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?
विमल – पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।
अक्षर – ऐसा क्यों?
विमल – जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।
अक्षर – कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।
विमल – पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।
अक्षर – कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।
विमल – पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।
अक्षर – सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।
विमल – तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

**2) अनुशासन के महत्व पर पिता और पुत्र के बीच संवाद लेखन**

**राहुल:** देखो, राघव! तुमने बिना पूछे आदित्य के बस्ते में से पुस्तक ले ली। यह बहुत बुरी बात है।
**राघव:** इसमें क्या हो गया?
**राहुल:** यह बात गलत है-किसी की कोई वस्तु उससे पूछे बिना लेना ठीक नहीं। इसको अनुशासनहीनता कहते हैं।
**निखिल:** पापा अनुशासनहीनता किसे कहते हैं?
**राहल:** किसी नियंत्रण, आज्ञा और बंधन में रहना ही अनुशासन है। अनुशासन में रहने के लिए बुद्धि और विवेक की आवश्यकता है।
**ऐश्वर्या:** अनुशासन में रहने के बहुत लाभ होंगे?
**राहुल:** हाँ बेटी। अनुशासन हमारे जीवन को सार्थक और प्रगतिशील बनाता है। विद्यार्थी को संयम और नियम में रहना अनुशासन ही सिखाता है। जीवन को सफल बनाने में यह बहुत सहायक है।
**राघव:** क्या अनुशासन जीवन में चरित्र को उज्ज्वल बनाने में सहायक होता है?
**राहुल:** बिल्कुल, बेटे! चरित्र-निर्माण की नींव अनुशासन तो डालता ही है। मानसिक विकास भी इसी के द्वारा विद्यार्थी में ढलता है।

**3) अपने-अपने जीवन लक्ष्य के बारे में दो मित्रों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।**

रंजन – मित्र चंदन! बारहवीं के बाद तुमने क्या सोचा है?

चंदन – मित्र रंजन! मैंने तो अपना लक्ष्य पहले से ही तय कर रखा है। मैंने डॉक्टर बनने के लिए पढ़ाई भी शुरू कर दिया|

रंजन – डॉक्टर ही क्यों?

चंदन – मैं डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहता हूँ।

रंजन – पर सेवा करने के तो और भी तरीके हैं ?

चंदन – पर मुझे यही तरीका पसंद है। डॉक्टर ही रोते-तड़पते मरीज के चेहरे पर मुसकान लौटाकर वापस भेजते हैं।

रंजन – पर कुछ डॉक्टर का भगवान का दूसरा रूप नहीं कहा जा सकता है?

चंदन – पर मैं सच्चा डॉक्टर बनकर दिखाऊँगा पर तुमने क्या सोचा है, अपने जीवनलक्ष्य के बारे में?

रंजन – पर इतनी मेहनत तो अपने वश की नहीं। सुना है-डॉक्टर, इंजीनियर बनने के लिए बड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है जो मेरे वश की नहीं।

चंदन – पर बिना मेहनत सफलता कैसे पाओगे? रंजन-मैं नेता बनकर देश सेवा करना चाहता हूँ।

चंदन – तूने ठीक सोचा है। हल्दी लगे न फिटकरी, रंग बने चोखा।

रंजन – नेता बनना भी आसान नहीं है। तुम्हारे लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ।

---